उद्योग, सरकार तथा शैक्षणिक संस्थान, उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु करेंगे साझेदारी

- ***उत्तर प्रदेश की औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 का लाभ प्राप्त करने हेतु उद्योग-शैक्षणिक सहयोग महत्वपूर्ण: श्री अभिषेक प्रकाश, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इन्वेस्ट यूपी***
- ***उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी, नवाचार को बढ़ावा देगी तथा उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से विकास को गति प्रदान करेगी: श्री अभिषेक प्रकाश, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इन्वेस्ट यूपी***

लखनऊ, 6 दिसंबर: उद्योग, सरकार तथा शैक्षणिक संस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्थापना हेतु साझेदारी करने की ओर अग्रसर हैं। इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अभिषेक प्रकाश ने उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति - 2022 के लाभों का लाभ प्राप्त करने हेतु उद्योगों (विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में), सरकार तथा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (*इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी*) जैसे शैक्षणिक संस्थानों के मध्य सुदृढ़ सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने नवाचार तथा विकास में गति लाने हेतु सरकार, उद्योगों एवं शैक्षणिक अग्रणियों के मध्य सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उक्त संबंध में इन्वेस्ट यूपी तथा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (IET), लखनऊ के बीच इन्वेस्ट यूपी कार्यालय, पिकअप भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति - 2022 के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना पर संवाद हुआ। बैठक में सीओई को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया एवं नीति हेतु दिशानिर्देशों तथा कार्यान्वयन प्रक्रियाओं को रेखांकित किया गया।

इस नीति के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहन, सब्सिडी, छूट एवं अतिरिक्त सहायता पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल ने संस्थान के संकाय तथा छात्रों द्वारा किए जा रहे अभिनव शोध पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छात्र, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में लिथियम-आयन बैटरी, रोबोटिक्स एवं ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं जैसी वैश्विक चुनौतियों पर काम कर रहे हैं। प्रोफेसर कंसल ने संस्थान तथा उत्तर प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु उद्योगों के साथ साझेदारी करने के संस्थान के लक्ष्य का भी उल्लेख किया।

बैठक में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें निदेशक, प्रोफेसर विनीत कंसल, इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय सदस्य एवं इनक्यूबेशन प्रबंधक, श्री संदीप कुमार सम्मिलित रहें। टीम ने आगे अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, हैकथॉन, ग्रैंड चैलेंज, अपस्किलिंग सुविधाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, उत्पाद परीक्षण क्षमताओं, परियोजना व्यवहार्यता एवं क्षेत्रीय अवस्थापना की विशेषज्ञता के महत्व पर भी चर्चा की, जो कि उत्कृषटता केंद्र को बढ़ावा देने हेतु प्रमुख घटक हैं। उन्होंने उक्त डोमेन में संभावित भविष्य के उद्योग सहयोग पर अंतर्दृष्टि भी साझा की।

यह साझेदारी, राज्य की प्रगतिशील निवेश नीति के अंतर्गत उद्योग-**शैक्षणिक** साझेदारी के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने एवं विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।